01. अर्थशास्त्र व अर्थव्यवस्था (Economics and Economy)

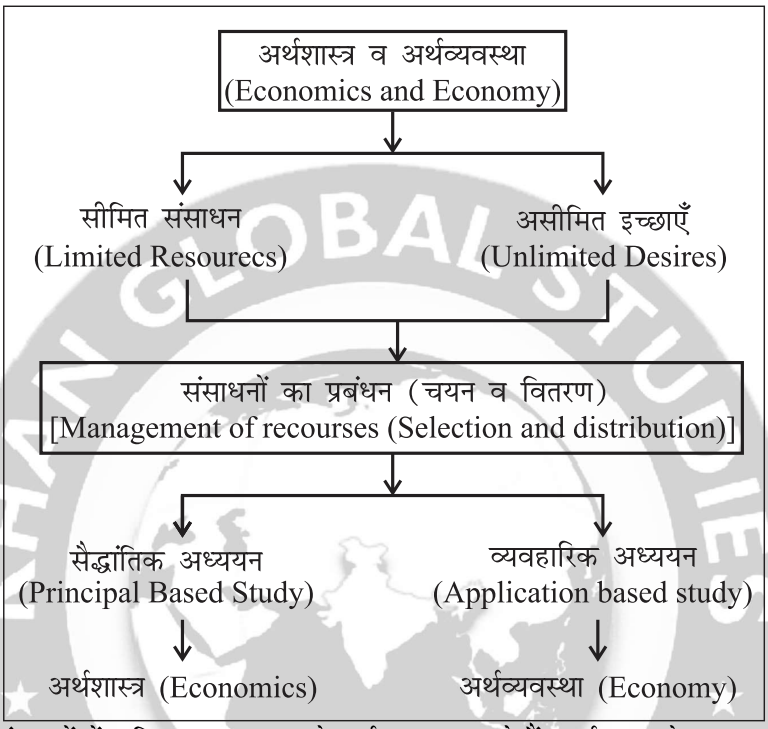

- **अर्थव्यवस्था–** सीमित संसाधनों में अधिकतम उत्पादन को अर्थव्यवस्था कहते हैं। अर्थशास्त्र के जनक एडम स्मिथ को कहते हैं उनकी पुस्तक Wealth of Nation 1776 में प्रकाशित हुई। उन्होंने कर का सिद्धांत दिया भारतीय अर्थशास्त्र के जनक विश्वेश्वरैया को कहते हैं एवं उन्होंने अर्थशास्त्र नाम को पुस्तक लिखी जिनका प्रयोग प्रशासन हेतु किया जाता था। भारतीय अर्थिक नीति के जनक है एवं उन्होंने नामक पुस्तक लिखी।
- **अर्थव्यवस्था का क्षेत्रप–** अर्थव्यस्था में आय के माध्य को क्षेत्रप कहते हैं। इन्हें 3 भागों में बांटते हैं–

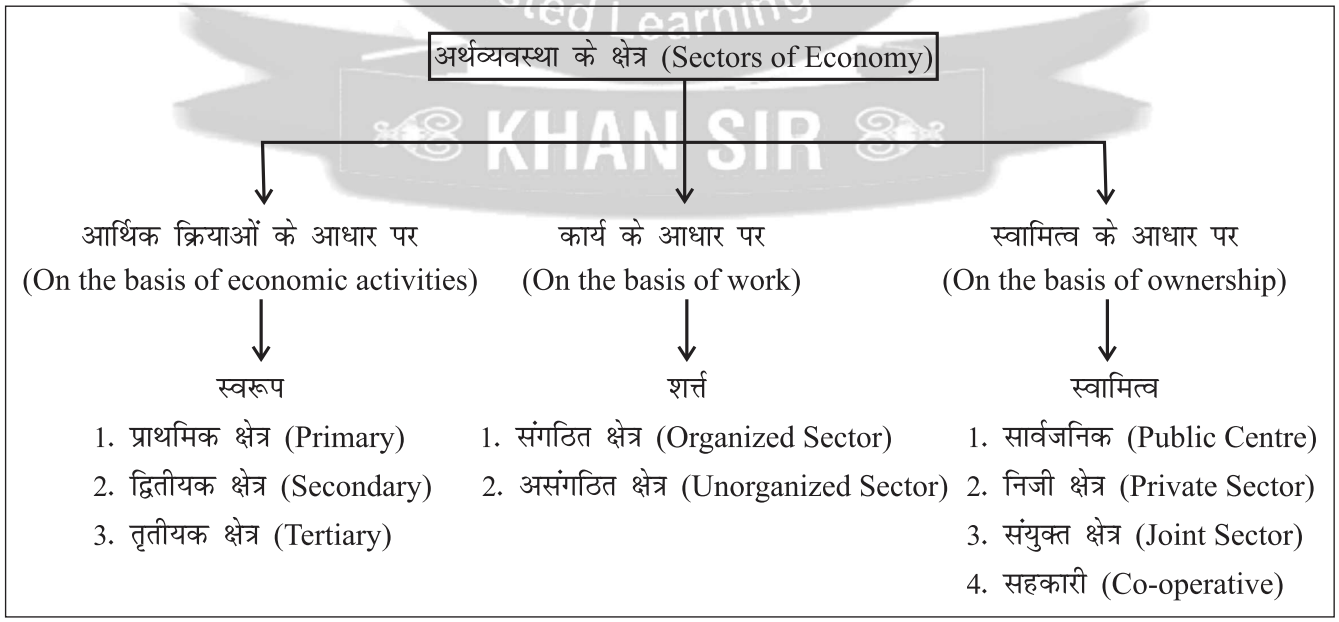

आर्थिक क्रियाओं के आधार पर

1. **प्राथमिक क्षेत्र–** जब आय का श्रोत सीधे प्राकृतिक से जुड़ा हो तो उसे प्राथमिक क्षेत्र कहते हैं एवं इसमें भूमि एवं उत्खनन और उससे संबंधित गतिविधियाँ शामिल होती है।

   Ex :– कृषि, पशुपालन, मत्स्य, खनन।

☛ जो लोग इस क्षेत्र में कार्य करते हैं उन्हें लाल कॉलरधारी कहते हैं।

2. **द्वितीयक क्षेत्र–** इसमें कारखानों को शामिल किया जाता है। इसमें निर्माण तथा विनिर्माण होता है एवं यह प्राथमिक क्षेत्र से कच्चा माल लेता है और अंतिम वस्तुएं (उपयोग हेतु) में परिवर्तित करता है।

   Ex :– वस्तु, उद्योग, लौह एवं इस्पात उद्योग, विद्युत इत्यादि।

☛ जो लोग इस इस क्षेत्र में कार्य करते हैं उन्हें नीली कॉलरधारी कहते हैं।

3. **तृतीयक–** इसमें नौकरी व्यापार सेवा दुकान को शामिल करते हैं।

   Ex :– परिवहन, Hospital, कोचिंग, नेता, खेल, Communication, Bank, शिक्षा, नौकरी ।

☛ जो लोग इस इस क्षेत्र में कार्य करते हैं उन्हें सफेदपोश श्रमिक कहते हैं।

Note :– सेक्टर में लोग बहुत कम लगे होते हैं। किन्तु आय बहुत अधिक होती है। जैसे-जैसे लोगों का विकास होता जाता है। वह प्राथमिक क्षेत्र को छोड़कर तृतीयक क्षेत्र में चले जाते हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के वर्तमान समय (2022) में प्राथमिक क्षेत्र का योगदान मात्र 21.82%, द्वितीयक क्षेत्र का योगदान 24.23% तथा तृतीय सेक्टर का योगदान 53.09% है।

कार्य के आधार पर

1. **संगठित क्षेत्र**

☛ जिसमें नौकरी की शर्त समय और वेतन तीनों ही निश्चित हो उसे संगठित कहते हैं।

Ex :– बड़े कम्पनी की नौकरी, सरकारी नौकरी संगठित क्षेत्र में सार्वजनिक रोजगार रेलवे तथा सेना में दिया है।

2. **असंगठित क्षेत्र**

☛ इसमें नौकरी का समय वेतन तथा छुट्टी तीनों ही अनिश्चित रहता है। सबसे बड़े असंगठित क्षेत्र कपड़ा उद्योग में है।

Ex :– प्राईवेट, कृषि, दुकान।

स्वामित्व के आधार पर

1. **निजी क्षेत्र**

☛ इसके सभी क्षेत्र पर निजी व्यक्ति का हाथ होता है। इसे Private (Pvt.) कहते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य केवल लाभ कमाना है। पूंजी के आधार पर सबसे बड़ी Private कम्पनी Reliance जबकि कर की क्षमता के आधार पर सबसे बड़ी कम्पनी TATA है।

2. **सार्वजनिक क्षेत्र**

☛ इस पर पूरी तरह सरकार का अधिकार होता है। इसे Public sector भी कहते हैं यह विकास तथा समाज कल्याण के लिए होता है। सबसे बड़ी Public क्षेत्र की कम्पनी रेलवे तथा महारत्न है।

3. **संयुक्त क्षेत्र (Joint Sector)**

☛ इसमें निजी तथा सार्वजनिक दोनों की भागीदारी होती है। अत: इसे public private patnership कहते हैं। वर्तमान में भारत में सबसे तेजी से ppp का विकास हो रहा है। **उदाहरण–** मेट्रो

4. **सहकारी (Co-operative)**

☛ जब किसी कम्पनी को दिशा निर्देश सरकार देती है उसे co-operative कहते हैं।

Ex :– Co-operative Bank co-operative का संचालन कई लोगों के समुह द्वारा होता है।

उत्पादन के चार कारक

1. **पूंजी**

☛ उत्पादन में लगाया गया धन पूंजी कहलाता है यह ऋण के रूप में भी हो सकता है।

2. **भूमि**

☛ जिस स्थान पर उत्पादन किया जाता है उसे भूमि कहते हैं। यह किराया के स्थान पर भी हो सकता है।

3. **श्रमिक**

☛ वस्तु के उत्पादन के लिए काम कर रहे मजदूरों को श्रमिक कहते हैं।

4. **उद्यमी**

☛ कंपनी जिस व्यक्ति की होती है उसे उद्यमी कहते हैं।

संसाधनों के स्वामित्व या उत्पादन के साधन या सरकार की भूमिका के आधार पर

पूंजीवादी	समाजवादी	मिश्रित
❖ अहस्तक्षेप (बाजार शक्तियाँ-मांग व आपूत्ति) व निजी स्वामित्व	❖ सरकारी हस्तक्षेप व स्वामितव	❖ सरकार व निजी क्षेत्र की सहभागिता
❖ अमेरिका, कनाडा आदि।	❖ क्यूबा, उत्तर कोरिया आदि	❖ भारत, स्वीडन, फ्रांस आदि।
	❖ इसे राज्य आधारित अर्थव्यवस्था भी कहा जाता है।	

पूंजीवाद अर्थव्यवस्था (Capitalist Economy)

प्रस्तुतकर्ता (Propounded)–स्कॉटलैंड के अर्थशास्त्री एडम स्मिथ।

- पुस्तक [द वेल्थ ऑफ नेशन (1776)]
- अर्थव्यवस्था के जनक
- अहस्तक्षेप का सिद्धांत

➢ **पूंजीवादी अर्थव्यवस्था**

☛ जब उत्पादन के सभी 4 कारकों पर निजी व्यक्ति का अधिकार हो उसे पूंजीवादी अर्थव्यवस्था कहते हैं। जापान, U.S.A., सिंगापुर, चीन, पूंजी, अर्थव्यवस्था में विकास तेजी से होता है। इसमें गरीब को ध्यान में न रखकर बाजार को ध्यान में रखा जाता है।

विशेषता– प्रतिस्पर्धा।
उद्देश्य– अधिकतम लाभ।
आर्थिक स्वतंत्रता।
उपभोक्ता के पास विकल्प।
आर्थिक समानता।

समाजवादी अर्थव्यवस्था (Socialist Economy)

प्रस्तुतकर्ता (Propounded)– जर्मन दार्शनिक कार्ल मार्क्स (1818-1883)

- पुस्तक – दास कैपिटल (1867)
- प्रयोग – सोवियत संघ (1917) एवं चीन (1949)

विशेषता–
उद्देश्य– जनकल्याण।
बाजार प्रतिस्पर्धा का अभाव।
केन्द्रीय आर्थिक नियोजन।
बाजार कीमत के स्थान पर प्रसाशकीय कीमत।
आर्थिक समानता।

➢ **समाजवादी अर्थव्यवस्था**

☛ जब उत्पादन के 4 कारकों पर सरकार का अधिकार हो तो उसे समाजवादी अर्थव्यवस्था कहते हैं। इस अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर सरकार का स्वामित्व होता है। सरकार अर्थव्यवस्था या आर्थिक क्रियाएँ (उत्पादन, उपभोग, वितरण व विनिमय) को संचालित करती है।

उदाहरण– सोवियत संघ, वियतनाम, क्यूबा, उत्तरी कोरिया इत्यादि।

मिश्रित अर्थव्यवस्था (Mixed Economy)

प्रस्तुतकर्ता (Propounded)– ब्रिटिश अर्थशास्त्री जॉन मिनार्ड कींस।

- पुस्तक – द जनरल थ्योरी ऑफ एंप्लॉयमेंट, इंटरेस्ट एंड मनी।
- कारण – 1929 की वैश्विक महामंदी ।

विशेषता–
उद्देश्य– जनकल्याण।
कल्याणकारी राज्य।
आर्थिक नियोजन।
सामाजिक न्याय।

➢ **मिश्रित अर्थव्यवस्था**

☛ जब उत्पादन के चारों कारकों पर निजी तथा सार्वजनिक दोनों का अधिकार हो उसे मिश्रित अर्थव्यवस्था कहते हैं। यह पूँजीवादी तथा राज्य आधारित अर्थव्यवस्था का मिश्रित रूप है। भारत-पाकिस्तान-श्रीलंका।

➢ **द्वैध अर्थव्यवस्था**

☛ वैसी अर्थव्यवस्था जिसमें परम्परागत तथा आधुनिक विधियों का प्रयोग हो उसे द्वैध अर्थव्यवस्था कहते हैं।

Ex :– India.

➢ **समांतर अर्थव्यवस्था**

☛ कालाधन अत्यधिक बढ़ जाने को समांतर अर्थव्यस्था कहते हैं। इसमें मौद्रिक नीतीयाँ कम प्रभावी होती है।

➢ **काला धन**

☛ वैसा जिस पर tax नहीं दिया जाता है उसे कालाधन कहते हैं। कालाधन की जानकारी सरकार को नहीं रहती है।

❐❐❐

02. राष्ट्रीय आय (National income)

➢ **राष्ट्रीय आय (National income)**

☛ किसी देश के अंदर सभी घटक सरकारी तथा निजी से मिलने वाली कुल आय के योग्य राष्ट्रीय आय कहलाता है। राष्ट्रीय आय बाजार स्तर पर NNP होता है।

राष्ट्रीय आय = NNP – अप्रत्यक्ष कर

☛ भारत में राष्ट्रीय आय की गणना केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन करती है। इसकी स्थापना 1951 में हुई। 29 जून को साख्यिकी दिवस मनाया जाता है। जो P.C महालनोविस का जन्म दिवस है।

☛ भारत में प्रति व्यक्ति आय की गणना 1968 में दादाभाई नौरोजी ने उन्होंने इस समय भारत का प्रतिव्यक्ति आय ₹ 20 निकाला था, जो सालाना था। इन्होंने अपनी पुस्तक Poverty and UN Brities Rule in India में लिखी है।

☛ वर्तमान में भारत का प्रतिव्यक्ति आय 1 लाख 50 हजार सालाना है। किसी देश के प्रगति को दिखाने का सबसे अच्छा माध्यम प्रति व्यक्ति आय है।

$$\text{प्रतिव्यक्ति आय} = \frac{\text{राष्ट्रीय आय}}{\text{जनसंख्या}}$$

➢ **हिन्दू विकास दर**

☛ हिन्दू विकास दर का संबंध राष्ट्रीय आय से है। राष्ट्रीय आय की गणना स्थिर कीमत पर की जाती है।

➢ **चालू कीमत**

☛ चल रहे वित्तीय वर्ष चालु कीमत कहते हैं। इस पर राष्ट्रीय आय सटीक नहीं निकलता है।

➢ **स्थिर कीमत**

☛ बीते हुए वर्ष पर निकाला गया राष्ट्रीय आय स्थिर कीमत कहलाता है। इसके लिए किसी वर्ष को हम आधार मान लेते हैं। भारत का आधार वर्ष 2017–18 है।

राष्ट्रीय आय स्थिर कीमत पर NNP को दर्शाता है। राष्ट्रीय आय की गणना की 3 विधियाँ हैं।

1. उत्पादन विधि

☛ इस विधि में उत्पादित समस्त वस्तु एवं सेवाओं का मूल्य को जोड़ा जाता है। यह GDP को दर्शाता है। इसमें दोहरे गणना की समस्या उत्पन्न हो जाती है। जिस कारण अंतिम वस्तु के मूल्य को जोड़ा जाता है।

2. आय गणना विधि

☛ इस विधि द्वारा सभी क्षेत्रों के आय को जोड़ा जाता है। चाहे वह निजी क्षेत्र हो या सार्वजनिक क्षेत्र। भारत में राष्ट्रीय आय की गणना उत्पादन तथा आय दोनों विधि से किया जाता है।

3. उपभोग विधि

☛ इस विधि में उपयोग तथा बचत को जोड़ा जाता है। इसका प्रयोग विकसित देशों में किया जाता है। बचत विधि तथा मौद्रिक विधि राष्ट्रीय आय की गणना की विधि नहीं है।

➢ **मौद्रिक आय**

☛ किसी श्रम के बदले मिले धन को मौद्रिक आय कहते हैं।

➢ **प्रयोज्य आय (Dibosable income)**

☛ मौद्रिक आय में से tax घटाने के बाद बचे धन को प्रयोज्य आय कहते हैं। यह पूरी तरह White money होता है।

➢ **वास्तविक आय (Real income)**

☛ प्रयोज्य आय में से देनदारी तथा ऋणभार को हटा देने पर बचा हुआ धन वास्तविक आय कहलाता है। महंगाई बढ़ने पर वास्तविक आय घट जाता है।

Q. नितिश ने अनुराधा से ₹ 4000 कर्ज लिये थे। यदि नितिश की आय ₹ 1 लाख है तथा नितिश पर 30% tax है। इसके सभी आय की गणना किजिए।

Ans. मौद्रिक आय = 1 लाख

प्रयोज्य आय = 1 लाख × 30% = 70,000

वास्तविक आय = 70,000 – 4000 = 66,000 Ans.

➢ **सकल घरेलू उत्पाद [GDP (Gross Domestic Products)]**

☛ एक वर्ष में एक निश्चित सिमा के अंदर उत्पादित समस्त वस्तु एवं सेवा के मूल्य को GDP कहते हैं। सिमा के बाहर उत्पादित वस्तु को G.D.P. में शामिल नहीं किया जाता है।

जैसे– tata = 800 Man (विदेशों में भारतीय) = 150

L. G = 300 GDP = 1100

➢ **सकल राष्ट्रीय उत्पाद [GNP (Gross National Products)]**

☛ यह पैसा राष्ट्र के काम का होता है। इसमें केवल भारतीय के आय को शामिल करते हैं।

माना भारतीय द्वारा विदेश में अर्जित आय x है, तथा विदेशी द्वारा भारत में अर्जित आय y है, तो–

$\boxed{\text{GNP} = \text{GDP}\ (x + y)}$ Ram = 150

tata = 800

L.G = 300

GNP = 1100 + (150 – 300) = 950

Note : $x - y$ को शुद्ध साधन आय कहते हैं।

Case I : यदि $x = y$ हो (संतुलित अर्थव्यवस्था) GNP = GDP

Case II : यदि $x > y$ हो (लाभ) GNP > GDP

Case III : यदि $x < y$ (हानि) GNP < GDP

Case IV : यदि $x = y = 0$ बन्द अर्थव्यवस्था GNP = GDP

Q. GDP तथा GNP का अंतर क्या कहलाता है।

Ans. GDP – GNP

GDP – $(x + y)$

$(x - y)$ = शुद्ध साधन आय

➢ **शुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन [NNP (Net National Products)]**

☛ यह देश का सबसे शुद्ध पैसा होता है जब GNP में से मशिनी की टुट-फुट या घिसावट पर आय खर्च को घटा देते हैं, तो उसे NNP मिलता है।

$\boxed{NNP = GNP - D}$ जहाँ D = मूल्यह्रास

tata = 800 Ram = 150

L.G = 300 D = 50

GDP = 1100

GNP = 950

NNP = 950 – D = 950 – 50 = 50

Q. GNP तथा NNP का अंतर क्या होता है?

Ans. GNP – NNP

GNP – (GNP – D)

GNP – GNP + D

D = मूल्यह्रास

☛ किसी देश के जीवन स्तर को दर्शाने का सबसे अच्छा माध्य प्रति व्यक्ति आय है।

☛ किसी देश के प्रगति को दर्शाने का सबसे अच्छा माध्यम GDP होता है।

☛ मूल्य के आधार पर भारत की GDP छठे स्थान पर है। प्रथम स्थान पर अमेरिका।

☛ किसी वस्तु का मूल्य उसके उत्पादन लागत (factor cost) पर निर्भर करती है। कोई भी वस्तु अपने Factor Cost पर बनी रहती है।

Price = Factor Cost (F.C.)

MRP = FC (Factor Cost) + TAX

$\boxed{\text{GDP at Market Price } (GDP_{(MP)})}$

☛ GDP हमेशा Market Price पर ही निकलता है।

➢ **$GDP_{(MP)}$:–** जो Price हमे मिलता है उसमें सरकार द्वारा Tax जोड़कर महंगा कर दिया जाता है या सब्सिडी जोड़कर सस्ता कर दिया जाता है।

$GDP_{(MP)} = GDP_{(FC)} + Tax - Subsidies$

$\boxed{\text{GDP at Factor Cost } (GDP_{(FC)})}$

☛ वास्तविक में GDP की गणना Factor Cost पर ही होनी चाहिए।

$GDP_{(FC)} = GDP_{(MP)} - Tax + Subsidies$

हम जो GDP निकालते हैं Actual में वह Nominal GDP न होकर Real GDP होता है जो किसी न किसी Base Year पर निर्भर करता है।

➢ **Nominal GDP**

☛ इसमें उत्पादित वस्तु का चालू वर्ष के मूल्य पर निकाला जाता है।

☛ जब एक वर्ष में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के मूल्यों की गणना बाजार मूल्यों (चालू कीमतों) पर की जाती है तो उसे Nominal GDP कहते हैं।

☛ Nominal GDP हमेशा अधिक होती है, क्योंकि इसमें मुद्रास्फीति भी जुड़ी होती है।

☛ Nominal GDP में Production Value नहीं देख पाते हैं।

☛ Nominal GDP उस साल के Price पर निकाला जाता है जिस साल की GDP को निकाल रहे हैं।

Pencil	Per Pencil Price	Production	Nominal GDP
2011	5	20	5 × 20 = 100
2012	6	19	6 × 19 = 114
2020	7	18	7 × 18 = 126
2021	10	15	10 × 15 = 150
2022	15	14	15 × 14 = 210

Real GDP

☛ जब एक वर्ष में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के मूल्यों की गणना आधार वर्ष के मूल्य (स्थिर कीमतों) पर की जाती है तो उसे Real GDP कहते हैं।

☛ इसके आंकड़े विश्वसनीय माने जाते हैं, क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था की सही एवं अधिक वास्तविक स्थिति स्पष्ट होती है।

☛ जब हम Real GDP को निकालते हैं तो Price हम आधार वर्ष का लेते हैं और Production चालू वर्ष का लेते हैं।

Pencil	Per Pencil Price	Production	Nominal GDP	Real GDP
2011	5	20	5 × 20 = 100	5 × 20 = 100
2012	6	19	6 × 19 = 114	5 × 19 = 95
2020	7	18	7 × 18 = 126	5 × 18 = 90
2021	10	15	10 × 15 = 150	5 × 15 = 75
2022	15	14	15 × 14 = 210	5 × 14 = 70
			GDP = ↑	GDP = ↓

- Base Year = 2011

$$\text{GDP Deflector} = \frac{\text{Nominal GDP}}{\text{Real GDP}} \times 100$$

क्रय शक्ति सामर्थ (Purchasing Power Parity)

- यह अंतराष्ट्रीय विनिमय का एक सिद्धांत है।
- यह देशों के बीच वस्तु या सेवा की कीमत में मौजूद अंतर है।
- किसी देश की अर्थव्यवस्था के आकार का पता लगाया जा सकता है ।
- PPP के माध्यम से यह पता लगाया जाता है कि दो देशों के बीच मुद्रा की क्रय शक्ति में कितना अंतर या फिर समता मौजूद है।
- PPP द्वारा मुद्रा विनिमय दर को तय किया जाता है।
- PPP के आधार पर भारत की अर्थव्यवस्था तीसरे स्थान पर है। प्रथम तथा दूसरे स्थान पर चीन अमेरिका है।
- भारत का PPP और अमेरिका के PPP में 17 गुना का अंतर है।

  India = US × 17

$$\text{Purchasing Power Parity Formula} = \frac{\text{Cost of good} \times \overset{\$}{\text{in currency 1}}}{\text{Cost of good} \times \text{in currency 2}}$$

❑❑❑

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR